हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2021

एम.एच.डी.-19 : हिन्दी दलित साहित्य का विकास

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है ।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) यदि विधान लागू हो जाता कि
तुम्हारे जीवन का कोई मूल्य नहीं ।
कोई भी कर सकता है तुम्हारा वध
ले सकता है, तुमसे बेगार
तुम्हारी स्त्री, बहिन और पुत्री के साथ,
कर सकता बलात्कार
जला सकता है घर-बार ।
तब, तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?

(ख) हमारी दासता का सफर
तुम्हारे जन्म से शुरू होता है
और इसका अन्त भी
तुम्हारे अन्त के साथ होगा ।

(ग) नर्म और मासूम बालमन पर एक खरोंच पड़ गई थी, जो समय के साथ-साथ और गहरा गई थी । किसी ने ठीक ही कहा है, मन में गाँठ पड़ जाए तो खोले नहीं खुलती । सोते-जागते, उठते-बैठते, पचीस चौका डेढ़ सौ उसे परेशान करने लगा ।

(घ) फिर सन्नाटे को चीरती हुई कुछ आवाजें सुनाई दीं । सब लोग चौंककर उन आवाजों को सुनने लगे । रात के दूसरे पहर में जहाँ लोग गीली आँखें लिए आकाश की ओर निहार रहे थे, वहीं नई पौध की आँखों में परिवर्तन के लिए अटूट विश्वास था । कल तक जो बच्चे जूठन पर लड़ते-झगड़ते थे उनके मन में कुछ कर गुज़रने की चेतना जन्म ले चुकी थी ।

2. सामाजिक न्याय-व्यवस्था की पक्षधर 'अभिलाषा' कविता 'ईश्वर' निर्मित चातुर्वर्ण्य व्यवस्था की विद्रूपताओं को किस प्रकार कठघरे में लाकर प्रश्नांकित करती है ? स्पष्ट कीजिए । *10*

3. दलित उत्पीड़न के संदर्भ में स्वानुभूति और सहानुभूति के सवाल को 'आमने-सामने' कहानी के माध्यम से विवेचित कीजिए । *10*

4. स्त्री अस्मिता के प्रश्न और प्रतिरोध के स्वर को 'अंगारा' कहानी के चरित्रों के माध्यम से रेखांकित कीजिए । *10*

5. 'लटकी हुई शर्त' कहानी के माध्यम से दलित चेतना स्वर का विश्लेषण कीजिए । *10*

6. "राष्ट्र की प्रचलित अवधारणा से भिन्न राष्ट्र की परिकल्पना दलित आत्मकथनों में विन्यस्त है ।" विवेचना कीजिए । *10*

7. डॉ. अम्बेडकर के विचारों का दलित समाज पर क्या असर पड़ा ? दलित आत्मकथनों की रोशनी में इसकी व्याख्या कीजिए । *10*